वर्ष :-1

अंक:-281

22.11.2025

शनिवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

पेज 1 नालंदा का नंबर वन डिजिटल अखबार www.apnanalanda.com

कल्याणबिगहा में कविराज राम लखन सिंह की पुण्यतिथि समारोह की तैयारी शुरू

हरनौत (अपना नालंदा)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पिता, विख्यात वैद्य एवं स्वतंत्रता सेनानी कविराज स्व. राम लखन प्रसाद सिंह की 48वीं पुण्यतिथि आगामी 29 नवंबर को कल्याणबिगहा गांव स्थित वाटिका परिसर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जाएगी। कार्यक्रम की तैयारी जोर-शोर से शुरू हो गई है। वाटिका परिसर की सफाई, सजावट और व्यवस्था का काम तेजी से चल रहा है। स्थानीय ग्रामीण और पंचायत प्रतिनिधि आयोजन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। बराह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कमलेश कुमार उर्फ पिंटू यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस अवसर पर अपने पिता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। उनके साथ बड़े भाई सतीश कुमार, पुत्र निशांत कुमार सहित अन्य परिजन और स्थानीय लोग भी श्रद्धांजलि देने पहुंचेंगे।ग्रामीणों के अनुसार कविराज राम लखन प्रसाद सिंह का निधन 29 नवंबर 1978 को हुआ था। वे जीवनभर बख्तियारपुर में रहकर लोगों का निःस्वार्थ भाव से इलाज करते रहे और सामाजिक सेवा में सक्रिय रहे। वैद्यक विद्या में दक्षता और सरल स्वभाव के कारण वे क्षेत्र में अत्यंत सम्मानित माने जाते थे।हर वर्ष की तरह इस बार भी उनकी पुण्यतिथि पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और शुभचिंतक एकत्र होकर उन्हें याद करेंगे। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धांजलि सभा के साथ उनके जीवन और योगदान को भी स्मरण किया जाएगा।

पल्स पोलियो और नियमित टीकाकरण को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा समाहरणालय स्थित हरदेव भवन में शुक्रवार को जिला स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में 14 से 18 दिसंबर तक होने वाले पल्स पोलियो अनुराष्ट्रीय टीकाकरण दिवस एवं नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की तैयारी को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के सफल संचालन के लिए विभिन्न पदाधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि प्रखंड स्तर पर होने वाली टास्क फोर्स बैठकों में सभी सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। पल्स पोलियो माईक्रोप्लान के अनुसार शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने पर विशेष जोर दिया गया।

नियमित प्रतिरक्षण में 90 प्रतिशत से कम उपलब्धि वाले प्रखंड—एकंगर सराय, सिलाव, परवलपुर और बिहारशरीफ—को प्रगति में सुधार लाने का निर्देश दिया गया। वहीं बीसीजी और ओपीवी जीरो डोज में 80 प्रतिशत से कम उपलब्धि वाले प्रखंडों से कारण पूछा गया और लक्ष्य हासिल करने को कहा गया।

एएनसी उपलब्धि कम रहने पर सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को स्वास्थ्य संस्थानों का नियमित निरीक्षण कर संस्थागत प्रसव बढ़ाने के निर्देश दिए गए। संस्थागत प्रसव में 50 प्रतिशत से कम उपलब्धि वाले कराय परसुराय, हरनौत, एकंगर सराय, बेन और इसलामपुर से स्पष्टीकरण मांगा गया।

परिवार कल्याण ऑपरेशन, एक्स-रे सुविधा, एनसीडी स्क्रीनिंग, दवा उपलब्धता और आशा चयन से जुड़े बिंदुओं पर भी आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, विभिन्न कार्यक्रम पदाधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, संचारी एवं गैर-संचारी रोग पदाधिकारी, प्रतिरक्षण पदाधिकारी तथा जिले के सभी प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राजनीति में बढ़ता काला धन, हेलीकॉप्टर चुनाव और सोशल मीडिया की नई चुनौतियां:

पद्मश्री पत्रकार सुरेंद्र किशोर से विशेष बातचीत

अंकित तिवारी

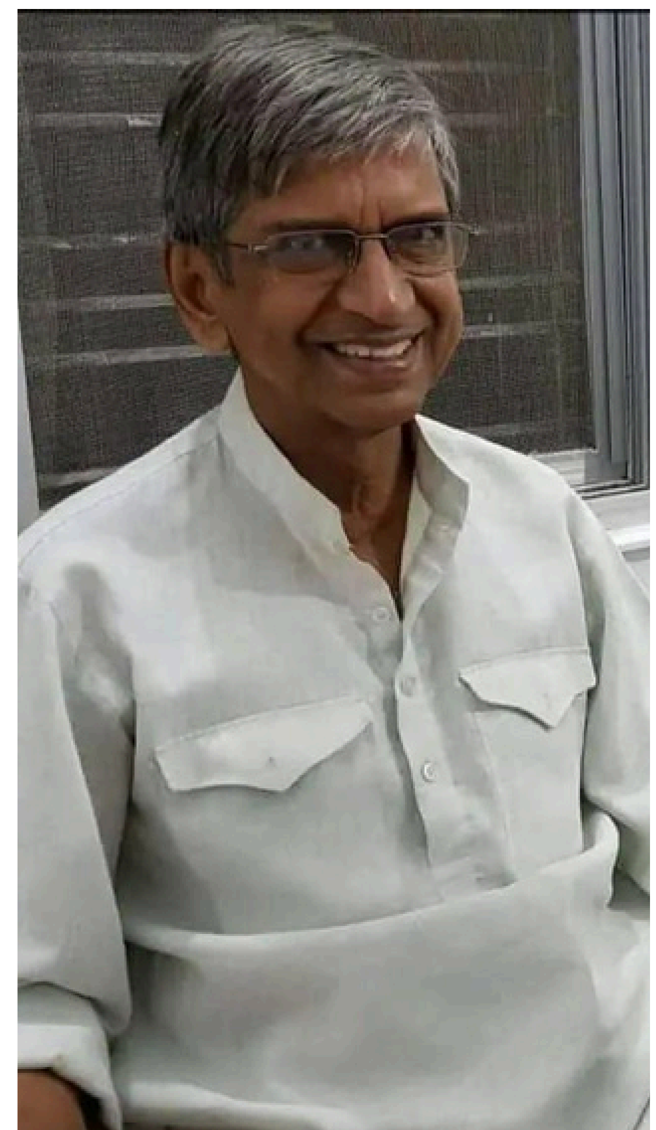

सुरेंद्र किशोर

धमाकेदार एकतरफा बिहार चुनाव परिणाम आने के बाद बिहार की राजनीति व समाज के विषयों में अच्छी समझ रखने वाले करीब 5 दशक का एक लंबा पत्रकारिता के अनुभव के साथ बहुत ही मेहनती, ईमानदार व निर्भीक सशक्त लेखक के रूप में विख्यात, देश के प्रमुख अखबारों से जुड़े गांधीवादी, समाजवादी विचारधारा से ओतप्रोत पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार व स्तंभकार सुरेंद्र किशोर जी से पत्रकार अंकित तिवारी ने वर्तमान राजनीति पर बातचीत की।

प्रश्न - आपने अपने जीवन में कई चुनाव देखें, कई बड़े नेताओं को आपने देखा चौधरी चरण सिंह से लेकर आज वर्तमान समय में मोदी जी तक, राजनीतिक तौर तरीकों में आप कितना बदलाव या अंतर देखते हैं और नीतीश कुमार जी का दस हजार वाला रेवड़ी स्कीम कितना सही है।

उत्तर - चौधरी चरण सिंह के जमाने में खर्च आज की अपेक्षा बहुत ही कम थे राजनीति में तब काला धन कम आता था। तब इक्के दुक्के नेता ही हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल कर पाते थे क्योंकि उनके पास साधन काफी कम थे। उन्हीं दिनों की एक बात बताता हूं, मैं कर्पूरी ठाकुर और पीलू मोदी के पास में बैठा हुआ था मोदी जी पटना आए हुए थे। ठाकुर और मोदी एक ही दल में थे, कर्पूरी जी ने पीलू मोदी जी से कहा, मोदी साहब बिहार में पार्टी के लिए यदि आप एक हेलीकॉप्टर का प्रबंध कर देते तो हम बिहार विधानसभा की आधी सीटें जीत जायेंगे उस पर पीलू मोदी ने कहा अरे भाई साहब , हेलीकॉप्टर से चुनाव नहीं जीता जाता। यानि कर्पूरी जी जैसे बड़े नेता तक हेलीकॉप्टर के लिए तरस जाते थे। आज के दौर में तो अधिकतर दलों के नेतागण चुनाव प्रचार के लिए बड़ी संख्या में हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज का इस्तेमाल करते हैं। पटना में कुछ समय पहले महागठबंधन में शामिल दलों की बैठक थी, देशभर से नेता पटना आए थे वह कुल 8 चार्टर्ड विमान पर सवार होकर आए थे। आज चुनाव की राजनीति में काला धन बहुत अधिक आ रहा है। किसी भी प्रकार की लाभकारी चुनावी घोषणा, यदि वह चुनाव आचार संहिता के खिलाफ जाता हो तो नहीं करना चाहिए। वैसे दूसरे दल भी रेवड़ी वायदे करते ही रहते हैं। सन 2004 के लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान कांग्रेस ने यूपी में अनेक परिवारों को गारंटी कार्ड दिए थे जिसमें प्रत्येक परिवार की एक महिला को ₹ 1,00,000 चुनाव के बाद देने की बात कही गई थी। यानि वायदा था कि अगर हमारी सरकार बनी तब देंगे। इसी प्रकार वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के पूर्व भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सत्ता में आने पर 20% जरूरतमंद परिवारों को हर साल 72,000 रुपए देने का वायदा किया था। जबकि जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार पहले से है, वहां की सरकार ऐसा कुछ भी लोगों को नहीं देती।

प्रश्न , आज के समय में जिस तरह से सोशल मीडिया ने मेन स्ट्रीम के मीडिया को साइड कर दिया है, नए-नए युवा यूट्यूबर खबरची बन घूम रहे। बेसिरपैर रिपोर्टिंग कर रहे, बिहार चुनाव में भी आपने देखा होगा कितनो को तो इसका कितना असर समाज में हो रहा है, क्या सरकार को इस पर नियंत्रण लगाना चाहिए, क्या कोई नियम लागू करना चाहिए ?

उत्तर - देखिए अपवादों को छोड़कर सोशल मीडिया के बारे मेन आम लोगों की राय अच्छी नहीं है, सोशल मीडिया को अधिक तथ्यपरक खबरें देनी होगी तभी उसकी विश्वसनीयता बढ़ेगी। सोशल मीडिया एक ताकतवर मीडिया है, ताकत के अनुपात में उसे उतना ही जिम्मेदार बनना पड़ेगा अन्यथा टिक नहीं पाएगा।

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD
COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED
RERA
APPROVED
"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"
BOOK
3BHK PREMIUM FLAT
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
₹ 4251/*SQ.FT.
60%
Free Area
COMFORT, LUXURY
WELLNESS
Amenities
Swimming Pool
Vastu Compliant Design
Kids' Play Area
Volleyball / Badminton Court
Cricket net pitch
Landscape & Roof Top Garden
Temple in Premises
Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
100% Power Backup
Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
EV Reserved Car Parking
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892
Contact us today to book your site visit!

अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

राजधानी पटना की खबर

शनिवार
22.11.25 3

प्रशांत किशोर ने उपवास तोड़ा, संकल्प अभियान से बिहार में नई पहल शुरू

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने पश्चिम चंपारण के भितिहरवा स्थित गांधी आश्रम में रखा गया एक दिन का मौन उपवास शनिवार को समाप्त किया। 20 नवंबर से शुरू हुए इस मौन उपवास को उन्होंने 21 नवंबर को सुबह 11:15 बजे विद्यालय की बच्चियों द्वारा जूस पिलाए जाने के बाद समाप्त किया। उपवास समाप्ति के उपरांत प्रशांत किशोर मीडिया से मुखातिब हुए और अपने आगामी अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की।

प्रशांत किशोर ने बताया कि वे गांधी जी की विचारधारा से प्रेरणा लेकर दोबारा जनसंपर्क और संवाद का व्यापक अभियान शुरू करने जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि आगामी 15 जनवरी से वे बिहार के सभी 1 लाख 18 हजार वार्डों में जाकर आमजनों से सीधे संवाद करेंगे। 'बिहार नवनिर्माण संकल्प अभियान' के माध्यम से वे सरकार द्वारा किए गए वादों को पूर्ण कराने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए PK ने कहा कि हालिया नतीजे लोकतांत्रिक जनादेश के साथ अन्याय हैं। उनके अनुसार, बड़ी संख्या में गरीब परिवारों का वोट 10-10 हजार रुपये देकर खरीदा गया, जो लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि जन सुराज जनता के अधिकारों एवं उम्मीदों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगा।

प्रशांत किशोर ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि वे आगामी पांच वर्षों में अपनी 90 प्रतिशत आय जन सुराज को दान करेंगे। साथ ही, पिछले 20 वर्षों में अर्जित संपत्ति में से वे केवल एक घर खुद के पास रखेंगे और शेष संपत्ति संगठन को समर्पित करेंगे। उन्होंने इसे राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक आंदोलन बताया।

नीतीश कुमार की जीरो टॉलरेंस नीति पर जनता का भरोसा बरकरार: हिमराज राम

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। जद (यू) प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुरुआत से ही अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर दृढ़ता से कायम रहे हैं। यह सिर्फ राजनीतिक घोषणा नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन के प्रत्येक स्तर पर लागू एक कड़ी और प्रभावी व्यवस्था है, जिसने बिहार में सुशासन की नई मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि इस नीति का प्रत्यक्ष प्रभाव राज्य में दिखाई दे रहा है, जहां कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और विकास कार्यों में तेजी आई है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में मिली भारी सफलता जनता के अटूट विश्वास और मुख्यमंत्री की ईमानदार छवि की पुष्टि करती है। जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बिहार को स्थायी विकास, शांति और समावेशी प्रगति की राह पर आगे ले जाने वाला नेतृत्व वही है जो पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन की नीति पर बिना समझौता किए काम करता है।

हिमराज राम ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नेतृत्व क्षमता और उनकी प्रतिबद्धता ने बिहार को एक नई दिशा दी है। आने वाले दिनों में भी वे जीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग रहते हुए राज्य में विकास और सुशासन को और मजबूत करेंगे।

उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग और विश्वास से बिहार निरंतर नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है और यह क्रम आगे भी जारी रहेगा।।

एनडीए की जीत पर चिराग पासवान का धन्यवाद, दलित सेना पुनर्गठन का ऐलान

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के बिहार प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नई सरकार के गठन पर बधाई दी। उन्होंने उन मुख्यमंत्रियों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने बिहार चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाई।

चिराग पासवान ने अपने नव-नियुक्त मंत्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि पार्टी के मंत्री 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की सोच को मजबूती के साथ विधान मंडल में रखेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन का तेजी से विस्तार किया जाएगा और मकर संक्रांति के बाद पार्टी फिर से बिहार के सभी जिलों का दौरा करेगी, जहां स्थानीय समस्याओं को समझकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पार्टी की रीढ़ 'दलित सेना' का पुनर्गठन जमुई सांसद एवं बिहार प्रदेश प्रभारी अरुण भारती के नेतृत्व में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा दलित सेना को गुमराह किया गया था, जिसके सुधार की प्रक्रिया अब शुरू की जाएगी।

चिराग पासवान ने 2020 के विधानसभा चुनाव में अकेले उतरने के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि उसी साहसिक निर्णय ने आज पार्टी को मजबूती दी है। 2020 में जहां पार्टी सिर्फ एक सीट जीती थी, वहीं इस बार एनडीए के साथ मिलकर पार्टी ने 19 सीटों पर जीत दर्ज की। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने उनकी नीतियों और मेहनत पर भरोसा जताया है।

प्रेस वार्ता में प्रदेश प्रभारी अरुण भारती, प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, कार्यवाहक अध्यक्ष अशरफ अंसारी, मंत्री संजय पासवान, संजय सिंह, युवा लोजपा अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे और मुख्य प्रवक्ता डॉ. राजेश भट्ट मौजूद रहे।

नई सरकार के बाद मुख्यमंत्री ने जदयू नेताओं व कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को जदयू के जनप्रतिनिधियों, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। 1 अणे मार्ग स्थित नेक संवाद में आयोजित इस कार्यक्रम में नवनियुक्त मंत्रियों, नवनिर्वाचित विधायकों, सांसदों, विधान पार्षदों, पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों, पूर्व विधान पार्षदों, विभिन्न जनप्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर मुख्यमंत्री को नई सरकार के गठन पर बधाई दी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने क्रमवार सभी लोगों से मिलकर उनका अभिवादन स्वीकार किया और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को नई सरकार के उद्देश्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और सुशासन की प्राथमिकताओं की याद दिलाते हुए कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ जनादेश दिया है, उस पर खरा उतरना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि सरकार जनहित के कामों को तेज गति से आगे बढ़ाएगी और विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं की सुरक्षा तथा रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने और जनता की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद संजय कुमार झा, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मंत्री विजय कुमार चौधरी, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुलाकात का यह कार्यक्रम उत्साहपूर्ण और सौहार्द्रपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ।

महाबोधि महाविद्यालय ने नालंदा खंडहर तक निकाली विरासत जागरूकता यात्रा

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व विरासत सप्ताह के उपलक्ष्य में शुक्रवार को महाबोधि महाविद्यालय (बी.एड. एवं डी.एल.एड.), नालंदा द्वारा आईक्यूएसी विभाग के संयोजन से एक विशेष 'विरासत यात्रा' का आयोजन किया गया। इस यात्रा में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने समूह में महाविद्यालय परिसर से नालंदा खंडहर तक पैदल मार्च किया।

यात्रा का शुभारंभ महाविद्यालय के सचिव डॉ. अरविंद कुमार ने किया। उनके नेतृत्व में सभी प्रशिक्षु छात्र-छात्राएँ नालंदा खंडहर की ओर प्रस्थान किए। यात्रा के दौरान छात्रों ने भारतीय और विश्व विरासत से जुड़े प्रेरक स्लोगन लगाए और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक किया।

नालंदा खंडहर पहुंचने पर छात्र-छात्राओं ने विश्व प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय के पुरावशेषों का अवलोकन किया और वहां के ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की।

सचिव डॉ. अरविंद कुमार ने कहा कि विरासत को समझना और उससे भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखना विद्यार्थियों की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि यही हमारे अतीत और वर्तमान के बीच सेतु का कार्य करती है। आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. अंजनी कुमार सुमन ने कहा कि विरासत का संरक्षण केवल धन से नहीं, बल्कि भावनाओं और प्रतिबद्धता से संभव है।

डीएलएड विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह ने नालंदा को विश्व की अनुपम ज्ञान परंपरा की धरोहर बताया। वहीं मार्गदर्शन कर रहे डॉ. रवि आनंद ने छात्रों को नालंदा के इतिहास, स्थापत्य और पुरातात्विक महत्व से अवगत कराया।

इस आयोजन में डॉ. अमित कुमार, डॉ. कुमार सुरेंद्र प्रताप, प्रो. पुष्पा कुमारी, प्रो. अनिल कुमार कश्यप, डॉ. सीमा कुमारी, सुरेश रावत, धीरेंद्र कुमार और कुमकुम कुमारी सहित सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

चलती कार में लगी आग, दो लोगों ने कूदकर बचाई अपनी जान

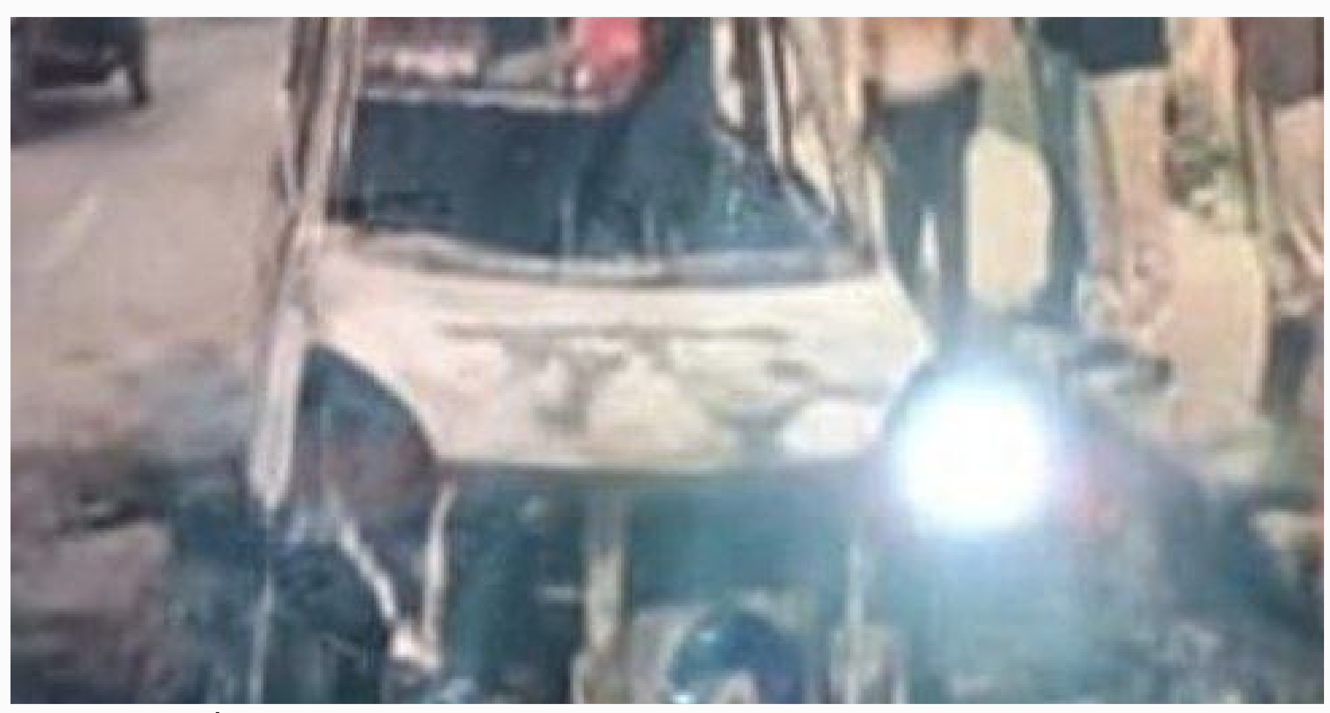

राजेश कुमार गौतम

नालंदा (अपना नालंदा)। दीपनगर थाना क्षेत्र स्थित डीटीओ कार्यालय के पास शुक्रवार को उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब एक चलती कार अचानक आग की लपटों में घिर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार में अचानक हुए शॉर्ट सर्किट से आग भड़क उठी और कुछ ही क्षणों में कार आग का गोला बन गई।

कार में सवार दो लोगों ने किसी तरह समय रहते दरवाजा खोलकर कूदकर अपनी जान बचाई। घटना इतनी अचानक हुई कि वहां मौजूद लोग भी कुछ समझ नहीं पाए। कुछ ही मिनटों में आग ने कार को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया और सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

तेज लपटों और घने धुएं के कारण सड़क पर कुछ देर के लिए आवागमन बाधित हो गया और जाम की स्थिति बन गई। राहगीरों ने दूर खड़े होकर स्थिति को देखा, वहीं किसी ने आग पर काबू पाने का प्रयास करने की हिम्मत नहीं की क्योंकि आग काफी विकराल हो चुकी थी।

सूचना मिलते ही दीपनगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास की भीड़ को हटाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। हालांकि कार पूरी तरह जलकर राख हो गई, लेकिन राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है और लोग वाहन सुरक्षा जांच को लेकर गंभीरता बरतने की अपील कर रहे हैं।

बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने खींच दी एक बड़ी लाइन, जिसे छोटा करना आसान नहीं!

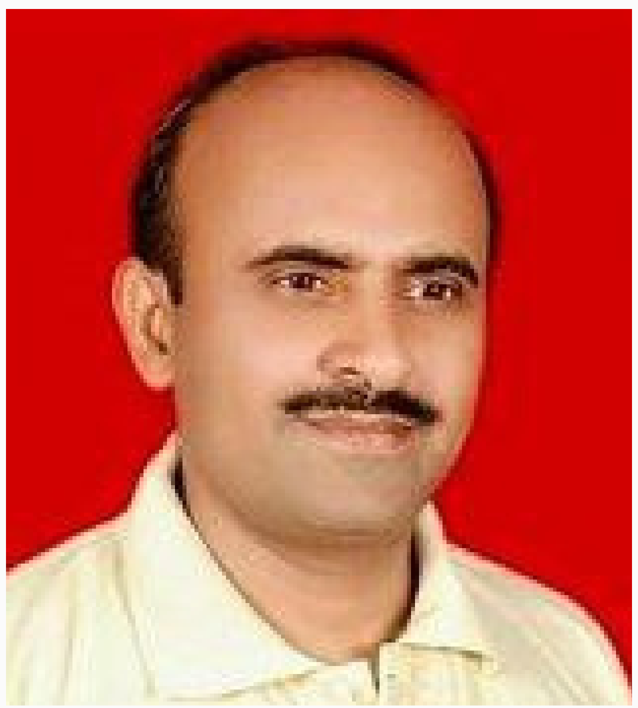

कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

कभी सुप्रसिद्ध समाजवादी विचारक किशन पटनायक ने कहा था कि विकल्पहीन
नहीं है दुनिया, लेकिन बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने साबित कर दिया है कि कोई लाख चिल्ल-पों मचा ले, परंतु बिहार में मुख्यमंत्री बनने के लिए उनका कोई विकल्प नहीं है। ऐसा इसलिए कि बिहार के जागरूक मतदाताओं को भ्रष्टाचार के आरोपों से बेदाग, सुशासन पसंद और राजनीतिक परिवारवाद के धुर विरोधी नीतीश कुमार का नेतृत्व ही पसंद है।

नीतीश कुमार एक बार बिहार के मुख्यमंत्री बने और 20 नवंबर 2025 को उन्होंने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। इस बार उन्हें अभूतपूर्व जनादेश मिला है जिससे तमाम कयासों को धत्ता बताकर वे पुनः मुख्यमंत्री बने हैं। इस प्रकार बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने एक वैसी बड़ी लाइन खींच दी है जिसे छोटा करना उनके सियासी विरोधियों के लिए कतई आसान नहीं है।

हालांकि, अपने इस रिकॉर्ड को कायम करने के लिए उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई बार गठबंधन बदले हैं, जिसमें बीजेपी और महागठबंधन दोनों के साथ शामिल हुए हैं। वाकई नीतीश कुमार की राजनीति का मूल मंत्र व्यावहारिकता, लचीला गठबंधन और प्रशासनिक सुधार है जिसके चलते वे बिहार की राजनीति के केन्द्रीय पात्र बने हुए हैं।

नीतीश कुमार के राजनीतिक बदलाव मुख्य रूप से सत्ता की भूख, सामाजिक परिवर्तन की इच्छा, गठबंधन रणनीति, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों के कारण हुए हैं, जिन्होंने उन्हें बिहार की प्रमुख राजनीतिक शख्सियत बनाया है। नीतीश कुमार की राजनीति व्यावहारिकता, गठबंधन-केन्द्रित रणनीति और सुशासन के एजेंडे पर आधारित रही है, जहाँ वे विभिन्न दलों के साथ बार-बार गठबंधन बदलते हुए भी कई बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं।

यही वजह है कि नीतीश कुमार को बिहार में 'इच्छा शासन' का स्तंभ माना जाता है, और उन्होंने बिहार में सत्ता के महत्वपूर्ण मंत्रालयों पर नियंत्रण बनाए रखा है। यह सभी तथ्य नीतीश कुमार के राजनीतिक गाम्भीर्य और प्रशासनिक कौशल को दर्शाते हैं, विशेष रूप से बिहार की राजनीति में उनकी भूमिका को दिखाते हैं। इनके प्रमुख फैसले लगातार गठबंधन राजनिति में संतुलन बनाना और विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना रहे हैं।

बहरहाल, 2024 में वह बीजेपी के साथ फिर से गठबंधन कर एनडीए के तहत मुख्यमंत्री पद पर बने रहे। उनके राजनीतिक फैसलों में बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ कर महागठबंधन में शामिल होना, फिर से बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाना प्रमुख रहे। उन्होंने अपने प्रशासनिक फैसलों में सत्ता नियंत्रण बनाए रखने के लिए कई बार रणनीति बदली, जैसे गृह मंत्रालय अपने पास रखने का अभियान।

विधानसभा चुनाव 2025 में उनकी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की, जदयू की सीटें लगभग दोगुनी बढ़ीं और एनडीए को 202 सीटों का बहुमत मिला। इसके बाद उन्होंने मंत्रिमंडल में गठबंधन सहयोगियों को संतुलित स्थान देने का निर्णय लिया। उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए कई बार सरकार भंग की और गठबंधन बदला, जिससे उनकी सियासी मजबूती बनी रही।

देखा जाए तो नीतीश कुमार के प्रमुख राजनीतिक बदलाव उनके राजनीतिक कैरियर में उनके रणनीतिक फैसलों, गठबंधन परिवर्तन, और समाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप उनके दृष्टिकोण में बदलावों का परिणाम रहे हैं।

इसलिए मुख्य राजनीतिक बदलाव और कारण को हम यहां पर गिना रहे हैं:-

पहला, शुरुआती राजनीति और जेपी आंदोलन से उदयनीतीश कुमार का राजनीतिक सफर जनता दल (यूनाइटेड) के सदस्य से शुरू हुआ, और उन्होंने अपने शुरुआती करियर में समाजवादी विचारधारा को अपनाया। 1990 के दशक में उन्होंने जनता पार्टी / जनता दल के साथ मिलकर लोकशिक्षा व सामाजिक बदलाव पर फोकस किया।

दूसरा, पहली बार मुख्यमंत्री बनना (2000): तत्कालीन और भौतिक राजनीतिक माहौल में बिहार में शांति व विकास के रास्ते पर लाने के लिए उन्होंने बिहार में पहली बार मुख्यमंत्री पद संभाला, लेकिन मात्र 7 दिनों के लिए सीएम बने थे।

तीसरा, महागठबंधन बनाम भाजपा समर्थकनीति: 2005 में उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के साथ गठबंधन किया, लेकिन 2013 में बीजेपी से नाता तोड़ सरकार से अलग हो गए, क्योंकि उन्हें लगा कि उनके सामाजिक आर्थिक एजेंडे पर भाजपा की नीतियों में बाधाएँ आ रहीं हैं। इसके बाद, उन्होंने जदयू-को महागठबंधन, विशेष रूप से राजद (लालू प्रसाद यादव) के साथ शामिल किया, जो उनकी राजनीतिक रणनीति में बड़ा बदलाव था।

राजनीतिक बदलावों के पीछे कारण

3. आर्थिक विकास और आधारभूत ढाँचा

> Sanjay: चतुर्थ, भाजपा के साथ फिर से संधि और वापस सरकार में आना: 2017 में, नीतीश कुमार ने नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई, जिसका मुख्य कारण सत्ता का स्थायित्व और बिहार में राजनीतिक स्थिरता था। इस निर्णय का कारण उनके दिल्ली और बिहार में होने वाले राजनीतिक दबाव, गठबंधन की राजनीतिक स्थिति, और बिहार में विकास की जरूरतें मानी जाती हैं।

पंचम, समाजिक सुधार और प्रशासनिक बदलाव: व्यक्तिगत व्यवहार में सुधार, सामाजिक बदलाव, और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा देना उनके बदलाव का एक अहम पहलू रहा है, जिससे वे समाज में अपनी छवि को मजबूत करते गए हैं। कारण: राजनीतिक मजबूरियां, सत्ता बनाए रखना, सामाजिक आधार का विस्तार, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों ने उनके इन बदलावों को प्रेरित किया। भीड़-भाड़ वाले पहले गठबंधन से संवाद और वफादारी की कमी, और सियासी विकल्पों का ढलान, उन्हें नए राजनीतिक समीकरण बनाने पर मजबूर किया।

नीतीश कुमार के प्रमुख राजनीतिक और प्रशासनिक फैसले एवं उनकी नीतियां निम्नलिखित हैं:

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की विकास नीतियों का प्रभाव समग्र रूप से सकारात्मक और व्यापक रहा है। उन्होंने 'न्याय के साथ विकास' के सिद्धांत पर काम करते हुए राज्य के विकास के पहिये को तेजी से घुमाया है, खासकर समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने और महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया है। इससे बिहार राज्य में आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

उनकी पॉलिसियों के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, जैसे गांवों को जोड़ना, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, और योजना लाभों का व्यापक वितरण हुआ है। प्रशासनिक स्तर पर जन-केंद्रित नीतियों और पारदर्शिता के उपायों से भ्रष्टाचार कम करने और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद मिली है।

आर्थिक दृष्टिकोण से, बिहार ने खेती पर आधारित अर्थव्यवस्था के अलावा उद्योग और सेवा क्षेत्रों में भी विकास का रास्ता अपनाया है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक स्थिरता बढ़ी है। जीएसटी जैसे सुधारों का समर्थन कर राज्य ने वित्तीय अनुशासन बनाया और बहुआयामी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ा है।

हालांकि बिहार लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार और संसाधनों की कमी की चुनौतियों से जूझता रहा, नीतीश कुमार की सरकारों ने इसे दूर करने के लिए कई सुधार लागू किए जिनका असर अब दिखने लगा है।

आज बिहार में सड़क निर्माण, सिंचाई योजनाओं और सामाजिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की गति तेज हुई है।इस प्रकार कहा जा सकता है कि नीतीश कुमार की नीतियों ने बिहार के सामाजिक-आर्थिक विकास में एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है, और राज्य वर्तमान में विकास एवं आत्मनिर्भरता के पथ पर प्रभावी रूप से अग्रसर है। यह प्रभाव 2025 में भी चुनाव परिणामों और विकास परियोजनाओं में स्पष्ट दिखाई देता है।

नीतीश कुमार की सियासत को समझने के लिए निम्नलिखित कुछ पहलुओं को समझना बेहद जरूरी है:-

पहला, गठबंधन आधारित राजनीति: नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में भाजपा (NDA), राजद-कांग्रेस (महागठबंधन) और अन्य दलों के साथ कई बार गठबंधन बदले हैं। वे जिस भी खेमे में जाते हैं, वहाँ सत्ता का केंद्र बन जाते हैं और सरकार बना लेते हैं; इसका उद्देश्य सत्ता में बने रहना और अपनी पार्टी की प्रासंगिकता बनाए रखना है।

दूसरा, सुशासन और सामाजिक न्याय: उनकी छवि "सुशासन बाबू" की रही है, जहाँ कानून व्यवस्था, महिलाओं के सशक्तिकरण, पब्लिक सर्विस डिलीवरी व सामाजिक-आर्थिक विकास पर बल दिया गया। पंचायत चुनावों में अति पिछड़ा वर्ग आरक्षण, महिला आरक्षण और कानून व्यवस्था के लिए तेज रिफॉर्म लागू किए। आधारभूत ढांचे का विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार और अमल उनकी मुख्य उपलब्धियां हैं।

तीसरा, विचारधारा और नेतृत्व शैली: नीतीश समाजवादी विचारधारा से निकले नेता हैं, लेकिन उनकी राजनीति जमीनी समझ, समय के अनुसार रणनीति बदलने और वास्तविकता पर टिकी है। विपक्ष की तुलना में वे लचीले, समन्वयकारी और हमेशा प्रासंगिक बने रहने को प्राथमिकता देते हैं।

यही नहीं, अपने शासन में उन्होंने बिहार में विकास योजनाओं पर जोर दिया है और संविदाकर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा देने जैसी पहल की है। प्रशासनिक स्तर पर अपनी कैबिनेट का आकार छोटा रखा है लेकिन भविष्य में विस्तार की बात कही है और मंत्रिमंडल में नए चेहरों को जिम्मेदारी देने का संकेत दिया है।

प्रशांत किशोर की पहली चुनावी पारी क्यों बुरी तरह विफल साबित हुई

रामस्वरूप रावतसरे

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जहां सत्ता की मुख्य लड़ाई राजग और महागठबंधन के बीच थी, वहीं एक तीसरे मोर्चे पर भी सबकी निगाहें टिकी थीं—चुनावी रणनीतिकार से नेता बनने निकले प्रशांत किशोर की पहली राजनीतिक परीक्षा। पीके ने जनसुराज के नाम से नई पार्टी बनाई, नए मॉडल का दावा किया, लंबी पदयात्रा की, लेकिन नतीजे चौंकाने वाले रहे। उनकी पार्टी खाता तक न खोल सकी और 238 में से 233 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई।
यह चुनाव स्पष्ट संकेत देता है कि दूसरों के लिए जीत की पटकथा लिखने वाले प्रशांत किशोर अपने ही चुनावी इम्तिहान में औंधे मुंह गिर पड़े।

पीके के दावे बड़े, परिणाम अत्यंत निराशाजनक
चुनाव से पहले प्रशांत किशोर ने दावा किया था कि उनकी जनसुराज पार्टी बिहार की राजनीति को नई दिशा देगी। उन्होंने लगभग हर जिले और हजारों गांवों का दौरा किया, बड़े जनसंपर्क अभियान चलाए और 5 मई 2022 से 2 अक्टूबर 2024 तक करीब 6 हजार किलोमीटर की पदयात्रा भी की।
उन्होंने बताया कि वे 5000 गांवों तक पहुँचे और लोगों के मुद्दों को समझा। लेकिन इतने व्यापक अभियान के बावजूद जनसुराज जनता के मन में जगह नहीं बना पाई।
1 करोड़ सदस्यों का दावा करने वाली पार्टी 10 लाख वोट तक नहीं जुटा सकी।
इससे साफ है कि सोशल मीडिया पर बने शोर और वास्तविक ग्राउंड सपोर्ट में भारी अंतर था।

मीडिया और सोशल मीडिया की चमक मैदान में क्यों फेल हुई?
चुनाव से पहले मीडिया, सोशल मीडिया और सभाओं में पीके का नाम खूब गूंजा। राजनीतिक विश्लेषक से लेकर सामान्य वोटर तक उनकी कोशिशों पर चर्चा कर रहा था।
लेकिन मीडिया का नैरेटिव जनमत में तब्दील नहीं हो सका।
इसके कारण थे—
1. अति-आत्मविश्वास और अपनी ही बनाई छवि का बोझ
2. मुद्दों पर आक्रामकता, पर समाधान पर अस्पष्टता
3. अनुभवी टीम और मजबूत कैडर का न होना
4. नैरेटिव बनाम वास्तविकता का अंतर
दूसरों को चुनावी तैयारी कराना और खुद मैदान में उतरकर जनता का भरोसा जीतना दो बिल्कुल अलग चीजें हैं। यह अंतर प्रशांत किशोर शायद समझ नहीं सके।
जनसुराज का संगठन कमज़ोर, कैडर का भावनात्मक जुड़ाव गायब
किसी भी राजनीतिक दल की ताकत उसका कैडर होता है—वह लोग जो भावनाओं और वैचारिक आधार पर संगठन से जुड़े रहते हैं। लेकिन जनसुराज ने इसी बुनियाद पर ध्यान नहीं दिया।
पीके ने पार्टी निर्माण में वैचारिक कार्यकर्ताओं की जगह पेशेवर लोगों को प्राथमिकता दी।
ये पेशेवर चुनाव को एक प्रोजेक्ट की तरह देखते रहे—न नीति पर टिके, न विचार पर।

इसके तीन बड़े परिणाम सामने आए:
1. पार्टी के लिए काम करने वाले लोगों में भावनात्मक जुड़ाव नहीं बन पाया।
2. प्रत्याशी और जनता के बीच सेतु बनाने वाला मजबूत ढांचा तैयार नहीं हो सका।
3. गांव-गांव में नेटवर्क कमजोर रहा, जिससे वोटों का ट्रांसफर नहीं हो पाया।
यही कारण रहा कि ज्यादातर उम्मीदवार न सिर्फ हार गए बल्कि जमानत बचा पाना भी मुश्किल हो गया।

टिकट वितरण में पीके की बड़ी चूक
प्रशांत किशोर के टिकट वितरण को लेकर सबसे ज्यादा सवाल उठे।
उन्होंने बिहार के जमीनी नेताओं की बजाय पढ़े-लिखे, प्रोफ़ेशनल और प्राइवेट सेक्टर में सफल रहे लोगों को टिकट दिया।
ये लोग भले ही व्यक्तिगत उपलब्धियों में सफल रहे हों, पर:
उनका जनता से भावनात्मक जुड़ाव नहीं था
उनकी जातीय-सामाजिक पकड़ कमजोर थी
वे क्षेत्र में पहचान नहीं बनाकर आये थे
बिहार जैसे राज्य में यह बात सबसे ज्यादा मायने रखती है कि स्थानीय लोग आपको कितना जानते और भरोसा करते हैं।
पीके टिकट चयन में इसे नजरअंदाज कर गए और उम्मीदवार जनता के बीच कमजोर साबित हुए।
पीके का खुद चुनाव न लड़ना—सबसे बड़ी रणनीतिक गलती
राजनीति में नेतृत्व का सबसे बड़ा पैमाना जनता से सीधा सामना है।
लेकिन प्रशांत किशोर ने खुद चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया।
इससे दो नकारात्मक संदेश गए:
1. वह अपनी जीत को लेकर खुद भी आश्वस्त नहीं हैं।
2. उनका चुनाव लड़ने से बचना कार्यकर्ताओं के मनोबल को गिरा गया।
अगर प्रशांत किशोर खुद चुनाव मैदान में उतरते, तो कम से कम पार्टी में एक उत्साह और उम्मीद कायम रहती।
उनके न उतरने से अभियान औपचारिक बन गया, जनता में यह संदेश गया कि पीके खुद लड़ने से घबरा रहे हैं।
अति-आक्रामकता और नकारात्मक प्रचार भी बना नुकसान का कारण
चुनाव अभियान के दौरान पीके कई बार अनावश्यक आक्रामक दिखे।
वे लगातार नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, नरेंद्र मोदी और प्रमुख दलों पर व्यक्तिगत टिप्पणियाँ करते रहे।
राजनीति में नकारात्मक प्रचार कई बार उलटा पड़ जाता है—और जनसुराज के साथ यही हुआ।
जनता को लगा कि समाधान पर बात कम, आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा हो रहे हैं।
विकास मॉडल, रोजगार योजना और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर पीके स्पष्ट रोडमैप नहीं दे सके।
पीके का गुजरात-बिहार तुलना मॉडल जनता को नहीं भाया
चुनाव अभियान में प्रशांत किशोर गुजरात, तमिलनाडु और अन्य राज्यों की तुलना बिहार से करते रहे।
वे बताते रहे कि बिहार पिछड़ा है और नेतृत्व विफल रहा है।

लेकिन जनता ने इसे स्वीकार नहीं किया, कारण:
1. दूसरे राज्यों की सफलता दशकों के प्रयास का परिणाम है, रातोंरात नहीं
2. बिहार की सामाजिक-आर्थिक संरचना अलग है
3. बिहार की जनता पर लगातार पिछड़ेपन का ठप्पा लगाना लोगों को पसंद नहीं आया
लोगों ने इसे बिहार के साथ पक्षपात और मानसिक अपमान की तरह लिया।

जन आंदोलन बनाने की कोशिश असफल क्यों रही?
पीके चुनाव को एक जन आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करना चाहते थे।
लेकिन आंदोलन सफल होने के लिए आवश्यक होते हैं—
वैचारिक आधार
मजबूत संगठन
जनता का विश्वास
भावनात्मक जुड़ाव
जनसुराज इन चारों पैमानों पर कमजोर साबित हुआ।
प्रशांत किशोर का दावा था कि 1 करोड़ लोग उनसे जुड़े हैं, लेकिन वोट में यह समर्थन दिखाई नहीं दिया।

चुनाव के बाद पीके का बयान—हार की स्वीकारोक्ति या नई शुरुआत?

हार के बाद प्रशांत किशोर ने कहा:
"हमने जाति की राजनीति नहीं की।"
"हमने हिंदू-मुस्लिम का कार्ड नहीं खेला।"
"जनसुराज और मैं बिहार को सुधारकर रहेंगे।"

यह बातें अच्छी हैं, लेकिन राजनीति केवल आदर्शों से नहीं चलती—
जमीनी समझ, संगठन और नेतृत्व की दृढ़ता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।
पीके का यह कहना कि वे बिहार नहीं छोड़ेंगे, संकेत देता है कि वे लंबी पारी की तैयारी में हैं।
लेकिन जनता ने साफ संदेश दिया है कि केवल आलोचना और पदयात्रा से राजनीति नहीं चलती—
इसके लिए जनविश्वास और जमीनी पकड़ अनिवार्य है।
समापन: पीके की हार—एक सीख, एक संदेश और एक अवसर
प्रशांत किशोर की पहली राजनीतिक पारी बहुत खराब रही।
लेकिन यह उनके लिए सीख का अवसर भी है।

इस चुनाव ने उन्हें तीन स्पष्ट संदेश दिए:
1. रणनीति और वास्तविक राजनीति में जमीन-आसमान का अंतर है।
2. जनता मुद्दों और वादों से ज्यादा भरोसे व जुड़ाव को महत्व देती है।
3. नेता को खुद मैदान में उतरकर जोखिम लेना पड़ता है।
अगर पीके इन सीखों को आत्मसात करते हैं और संगठन को मजबूत करते हैं,
तो भविष्य में उनकी भूमिका फिर उभर सकती है।
फिलहाल सत्य यही है—
दूसरों की जीत की पटकथा लिखने वाले पीके अपने ही चुनावी इम्तिहान में भारी पराजित हुए हैं।

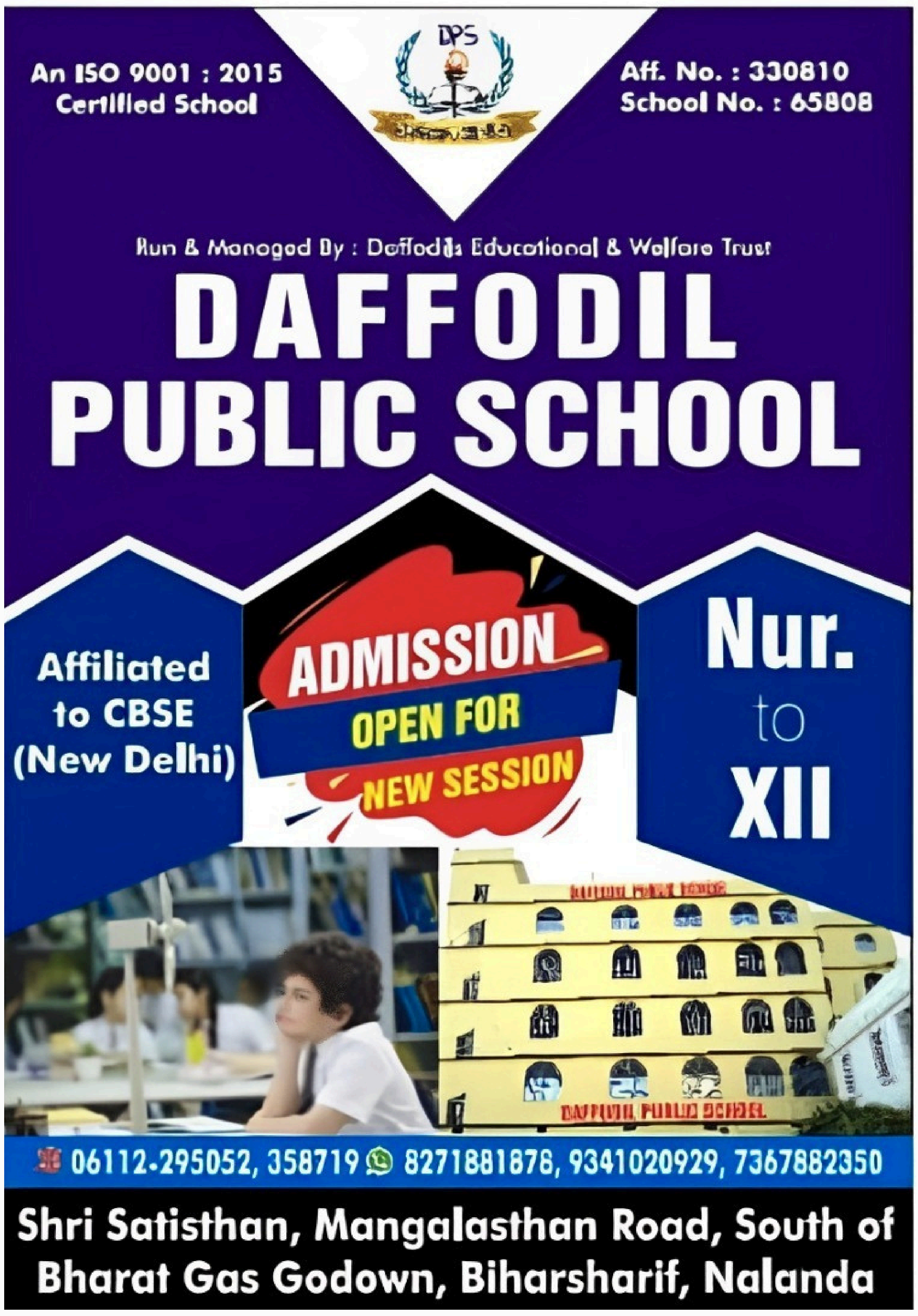

राजगीर में बाल दिवस पर विविध प्रतियोगिताओं का हुआ भव्य आयोजन

राजगीर(अपना नालंदा) राष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मध्य विद्यालय वस्तुएँन, राजगीर में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत विविध प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाचार्य श्री अरविंद उपाध्याय ने की। समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना और बाल दिवस के महत्व पर संबोधन के साथ हुई, जिसका प्रस्तुतीकरण प्रभारी प्रधानाचार्य एवं लैंगिक विशेषज्ञ पूजा कुमारी ने किया।

विद्यालय परिसर उत्साह और रचनात्मकता से भरा रहा। छात्राओं के बीच भाषण, पेंटिंग, दौड़, खेल-कूद, क्विज़ और मॉडल प्रदर्शन जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें लगभग 100 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में बाल विवाह, दहेज प्रथा, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता एवं बाल अधिकार जैसे विषयों पर छात्राओं ने प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत किए। पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चियों ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता परआधारित उत्कृष्ट कलाकृतियाँ बनाई।

दौड़ एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्कृष्ट ऊर्जा और खेल भावना का परिचय देते हुए आकर्षक प्रदर्शन किया। अपने संबोधन में प्रभारी प्रधानाचार्य श्री अरविंद उपाध्याय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क को मजबूत करते हैं। विद्यालय का उद्देश्य पुस्तक आधारित शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। अंत में विजेता छात्राओं को स्कूल बैग देकर सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ लोगो वाली टी-शर्ट और टोपी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन पूजा कुमारी एवं विद्यालय के शिक्षकों द्वारा किया गया।

विश्व मत्स्य दिवस पर मोहनपुर मत्स्य हैचरी में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। विश्व मत्स्य दिवस 2025 के अवसर पर शुक्रवार को मोहनपुर स्थित नालंदा मत्स्य हैचरी परिसर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उप-मत्स्य निदेशक, बिहार सरकार के आभास प्रसाद ने दीप प्रज्वलन कर किया।

इस अवसर पर जिला मत्स्य पदाधिकारी शंभू प्रसाद, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी नीलम कुमारी, मिथिलेश कुमार सहित नालंदा जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए मंत्री राजकुमार केवट, जय केवट, भोला यादव और बड़ी संख्या में मत्स्य पालक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान मत्स्य पालकों ने मत्स्य पालन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को सामने रखा। इसमें चारा की उपलब्धता, तालाबों का वैज्ञानिक प्रबंधन, बीज की गुणवत्ता, उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार व्यवस्था में सुधार जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। उनकी समस्याओं को सुनने के बाद उप-मत्स्य निदेशक आभास प्रसाद ने कहा कि सरकार मत्स्य पालकों की आय बढ़ाने और लाभकारी मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि संबंधित समस्याओं पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और विभाग द्वारा हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सिलाव मत्स्यजीवी समिति के मंत्री शिवनंदन प्रसाद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए उन्होंने सभी अतिथियों, अधिकारियों और मत्स्य पालकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम मत्स्य पालकों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने और उनके समस्याओं के समाधान में बेहद उपयोगी साबित होते हैं।

सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने पत्ती कला से नई सरकार को दी शुभकामना

पटना (अपना नालंदा)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा दसवीं बार पद की शपथ लेने के ऐतिहासिक अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सैंड एवं लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने अपनी अनूठी कला के माध्यम से विशेष शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने पीपल के पत्ते पर सूक्ष्म नक्काशी कर एक आकर्षक कलाकृति बनाई है, जिसमें संदेश उकेरा गया है— "अब तुम्हारे हवाले बिहार, धन्यवाद सरकार"।

कलाकार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ-साथ उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के चेहरे भी बारीकी से पत्ती पर उकेरे हैं। प्राकृतिक तंतुओं और नसों को सुरक्षित रखते हुए बनाई गई यह रचना न केवल तकनीकी कौशल का प्रमाण है बल्कि राज्य की नई सरकार के प्रति सम्मान और विश्वास का प्रतीक भी है। मधुरेंद्र ने कहा कि यह कलाकृति बिहार के विकास, स्थिर नेतृत्व और सकारात्मक बदलाव की आशा को दर्शाती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी इस रचना को बड़ी संख्या में सराहना मिल रही है।

स्थानीय कला प्रेमियों का मानना है कि पत्ती कला जैसी सूक्ष्म और दुर्लभ विधा में राजनीतिक नेतृत्व को दर्शाकर मधुरेंद्र ने बिहार की रचनात्मक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी है। सामाजिक और राजनीतिक घटनाओं को कलात्मक ढंग से प्रस्तुत करने में उनकी महारत एक बार फिर इस रचना से साबित होती है।

अद्वितीय पत्ती-नक्काशी तकनीक में तैयार यह कलाकृति राज्य की नई सरकार को समर्पित एक रचनात्मक अभिव्यक्ति है, जो कला और सामाजिक सरोकार के सुंदर मेल को प्रदर्शित करती है।

सबनाहुआडीह का युवक चार दिन से लापता, परिजनों में बढ़ी चिंता

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत नगर पंचायत क्षेत्र के सबनाहुआडीह गांव का एक युवक पिछले चार दिनों से रहस्यमय तरीके से लापता है। लापता युवक की पहचान सबनाहुआडीह निवासी सुगंवर साब के 33 वर्षीय पुत्र अप्पी कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, अप्पी 17 नवंबर 2025 की शाम साइबर कैफे बंद करने के बाद गांव के ही एक युवक के साथ सबनाहुआ नदी के किनारे मछली मारने गया था। रात लगभग 11 बजे वह घर लौटा, लेकिन उसके बाद अचानक घर से बाहर निकल गया और फिर वापस नहीं आया।

परिवार ने बताया कि कई जगह तलाश करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। चार दिन गुजर जाने के बाद भी युवक का पता नहीं चलने से परिजनों की चिंता बढ़ती जा रही है। परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए शुक्रवार को हरनौत थाना में लिखित आवेदन देकर पुलिस प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

लापता युवक के भाई सुनील साब ने बताया कि अप्पी कुमार के मोबाइल, दोस्तों और सभी संभावित स्थानों पर खोजबीन की गई, लेकिन अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। ग्रामीणों की सहायता से भी खोज का प्रयास जारी है, पर सफलता नहीं मिल सकी है।

इस मामले में हरनौत थाना अध्यक्ष अमरदीप कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है और पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुट गई है। परिवार के सहयोग से युवक की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही लापता युवक का पता लगाने के प्रयास तेज किए जाएंगे।

ठगी के मामले में झारखंड पुलिस ने द्वारिका बिगहा में आरोपी के घर चस्पा किया साटा इश्तेहार

थरथरी (अपना नालंदा)। झारखंड पुलिस ने थरथरी थाना क्षेत्र के द्वारिका बिगहा गांव में ठगी के एक मामले में आरोपी के घर साटा इश्तेहार चस्पा किया। आरोपी की पहचान द्वारिका बिगहा निवासी विनोद पासवान के पुत्र सुबोध पासवान के रूप में की गई है। उसके खिलाफ साइबर थाना रांची में मामला दर्ज है।

रविवार को झारखंड के साइबर थाना रांची से दारोगा कुमार गौरव तथा थरथरी थाना के दारोगा प्रभात कुमार पुलिस बल के साथ आरोपी के घर पहुंचे और आवश्यक जांच-पड़ताल की। जांच के दौरान आरोपी के घर पर साटा इश्तेहार चस्पा करते हुए उसे न्यायालय में हाजिर होने का नोटिस दिया गया।

दारोगा कुमार गौरव ने बताया कि रांची के एक युवक से फोन पर "आपकी बहन अस्पताल में भर्ती है" कहकर करीब एक लाख रुपये से अधिक का फर्जी बिल भेजकर ठगी की गई थी। पीड़ित युवक ने इस संबंध में साइबर थाना रांची में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ एफआईआर की गई।

पुलिस अब आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयासरत है।

चंपारण में दलित हत्याकांड पर कांग्रेस ने चार सदस्यीय जांच समिति बनाई

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। पूर्वी चंपारण जिले के मधुबन थाना क्षेत्र के माधोपुर गांव में 19 नवंबर को हुई छह दलितों (पासवान समुदाय) की निर्मम हत्या की घटना ने पूरे राज्य को स्तब्ध कर दिया है। फरसा से काटकर की गई इस बर्बर हत्या पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने गहरा दुःख और चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस जघन्य घटना की विस्तृत जांच के लिए चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है और समिति को तत्काल घटनास्थल पर जाकर स्थिति का आकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जांच समिति की अध्यक्षता पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय करेंगे। समिति के अन्य सदस्य अमर आजाद पासवान, अमरजीत कुमार और अजय पासवान होंगे। समिति का दायित्व पीड़ित परिवारों से मुलाकात करना, स्थानीय लोगों से घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाना तथा पूरे मामले की वास्तविकता का निष्पक्ष अध्ययन कर रिपोर्ट सौंपना है।

निर्देशानुसार समिति 24 नवंबर 2025 को माधोपुर गांव पहुंचेगी और घटनास्थल का निरीक्षण करेगी। साथ ही पीड़ित परिवारों से मिलकर उनकी बात सुनेगी तथा हत्या के संभावित कारणों और पृष्ठभूमि की जानकारी एकत्रित करेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ऐसी क्रूर घटनाएं मानवता को झकझोरने वाली हैं और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए। समिति की रिपोर्ट के आधार पर पार्टी आगे की रणनीति तय करेगी।

गोवर्धन विगहा पुल से चोरी मोटरसाइकिल सकरी नदी से बरामद

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। गोवर्धन विगहा पुल से चोरी हुई मोटरसाइकिल को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकरी नदी से बरामद कर लिया। घटना 6 नवंबर की है, जब रानीसराय निवासी नंदु महतो के 40 वर्षीय पुत्र चन्द्र दीप प्रसाद आत्महत्या करने के प्रयास में पुल पर चढ़ गए थे। स्थिति को संभालने और उन्हें बचाने पहुंचे घोसरावां निवासी रामप्रवेश कुमार अपनी हीरो आई-स्मार्ट मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन संख्या BR-21N-6795) पुल पर खड़ी कर मदद में जुट गए। इसी दौरान अज्ञात चोर मौके का फायदा उठाकर बाइक लेकर फरार हो गए।

पीड़ित ने तुरंत कतरीसराय थाना को घटना की सूचना दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार के निर्देश पर एएसआई धर्मेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास खोजबीन और संभावित मार्गों की जांच के बाद पुलिस को शक हुआ कि बाइक नदी में फेंकी गई हो सकती है। इसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें सकरी नदी से मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई।

एएसआई धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि चोरों ने पहचान छिपाने और बरामदगी कठिन बनाने के लिए बाइक को घटना के तुरंत बाद पुल से नीचे नदी में फेंक दिया था। गहन तलाश के बाद उसे बाहर निकाला गया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस टीम की तत्परता और सक्रियता की सराहना की है। वहीं, मोटरसाइकिल वापस मिलने से पीड़ित ने राहत जताई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस अब चोरी में शामिल असामाजिक तत्वों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

गैस एजेंसी मैनेजर से अभद्र व्यवहार और धमकी देने के आरोप में उपभोक्ता पर एफआईआर

थरथरी (अपना नालंदा)। थरथरी प्रखंड स्थित मेर्सस इंडियन गैस एजेंसी, ग्रामीण जनवितरक प्रणाली पमारा के मैनेजर निरंजन ने एक उपभोक्ता द्वारा अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थरथरी थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोपी की पहचान पमारा गांव निवासी 30 वर्षीय भीम कुमार के रूप में हुई है।

मैनेजर निरंजन ने बताया कि बुधवार को गैस सिलेंडर लेने के दौरान भीम कुमार किसी बात को लेकर विवाद करने लगा। स्थिति बढ़ने पर उसने गाली-गलौज किया और जान से मारने की धमकी दी, जिसके बाद उन्होंने सुरक्षा और कानून व्यवस्था को देखते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी।

थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि मामले की जांच के लिए एक पदाधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

नालंदा जिले के सभी प्रखंडों में संवाददाता सह विज्ञापन प्रतिनिधि कि आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति 9031468165 पर संपर्क करें।